



# मेरी लव स्टोरी.. मेरा पहला प्यार -2

“मैंने उसको उल्टा लिटाया और उसकी पीठ पर चूमने लगा। वो इतनी गर्म हो गई कि उसने मुझे अपने से अलग कर दिया और कहने लगी- मुझे कुछ अजीब सा लग रहा है। ...”

Story By: दीपक पंडित (deepakpandit)

Posted: Wednesday, June 22nd, 2016

Categories: [पहली बार चुदाई](#)

Online version: [मेरी लव स्टोरी.. मेरा पहला प्यार -2](#)

# मेरी लव स्टोरी.. मेरा पहला प्यार -2

साथियो, पिछले भाग

मेरी लव स्टोरी.. मेरा पहला प्यार-1

में आपने पढ़ा कि मोनिका से मेरी मुहब्बत की गाड़ी चल निकली थी अब आगे क्या हुआ..  
वो सुनिए..

एक दिन मैंने उससे कहा- मैं तुमसे अकेले में मिलना चाहता हूँ।

उसने कहा- ठीक है.. कहाँ मिलना है ?

मैंने कहा- सोचकर बताता हूँ।

हमारे शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर एक शेखा झील है.. वहाँ लड़के-लड़कियां जाते हैं..  
और मौज-मस्ती करते हैं।

मैंने उससे उधर मिलने का सोच लिया था।

अगले दिन जब वो आई.. तो मैंने उससे कहा- शेखा झील चलते हैं.. बताओ क्या कहती  
हो ?

पहले तो वो मना करने लगी.. लेकिन मेरे ज़ोर देने पर वो मान गई।

मैं उसको दिए गए समय के अनुसार उसको लेकर शेखा झील चल दिया।

वहाँ पहुँच कर मैंने उससे कहा- तुम रुको.. मैं अभी आता हूँ।

फिर मैं वहाँ के चौकीदार के पास गया और उसको कुछ रूपए देकर कहा- हम लोग झील के  
उस पार बैठे हैं।

चौकीदार के बारे में मेरे दोस्तों ने पहले ही बता दिया था.. कि इसको कुछ दे दो तो सब

कुछ सेफ रहता है।

मैं उसको लेकर झील के उस तरफ पहुँच गया और वहाँ एक सही सी जगह देखकर हम दोनों वहीं बैठ गए।

जहाँ हम लोग बैठे थे.. वहाँ आस-पास कोई नहीं था और हम झाड़ियों के पीछे बैठे थे।

मैंने उसका हाथ अपने हाथ में पकड़ रखा था और सोच रहा था कि शुरू कहाँ से करूँ।

मैं अपना सर उसकी गोद में रखकर लेट गया, लेटने के बाद मैं उसकी आँखों में देख रहा था।

वो बोली- क्या देख रहे हो ?

मैंने कहा- देख रहा हूँ कि तुम आज कुछ ज्यादा ही खूबसूरत लग रही हो।

मैंने उसे अपने तरफ खींचा और उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिए और उन्हें चूसता रहा। मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं जन्नत में सैर कर रहा हूँ।

कुछ ही पलों बाद मैंने उसको भी अपने बाजू में लिटा लिया, वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी।

मैं कभी उसके गालों को तो कभी उसके होंठों को.. तो कभी उसके गले पर चूमता रहा।

फिर मैंने उसके कुर्ता को ऊपर कर दिया उसने गुलाबी रंग की ब्रा पहनी थी.. जिसमें उसके मम्मे आधे से ज्यादा दिख रहे थे।

मैं उसके चूचों की गहराईयों में खोता चला गया, वो भी काफ़ी गर्म हो गई थी, मैंने उसका कुर्ता उतार दिया.. उसकी ब्रा भी उतार दी और उसके चूचुकों को चूमता रहा.. कभी उन पर जीभ फिराता रहा।

वो गर्म 'आहें..' भर रही थी 'आह.. आह.. उहा.. उहा..'

मैंने उसको उल्टा लिटाया और उसकी पीठ पर चूमने लगा। वो इतनी गर्म हो गई कि उसने मुझे अपने से अलग कर दिया और कहने लगी- मुझे कुछ अजीब सा लग रहा है।

मैंने उसकी एक नहीं सुनी और फिर से अपने काम पर लग गया।

उसने मुझे कस कर पकड़ लिया.. मेरी पीठ पर उसके नाखून गड़ गए, शायद वो झड़ चुकी थी।

फिर मैंने उसकी पाजामी उतार दी.. उसने गुलाबी रंग की पैन्टी पहन रखी थी।

फिर मैंने उसकी पैन्टी के ऊपर से ही हाथ फिराया.. और एक झटके से उसकी पैन्टी भी उतार दी।

तब मुझे उस जन्नत के दर्शन हुए.. जिधर से कायनात अपने रूप बनाती है।

उसकी चूत पर हल्के-हल्के बाल थे.. जो उसकी चूत की शोभा बढ़ा रहे थे। बिना कपड़ों के उसे देखकर मन कर रहा था कि बस उसको देखता ही रहूँ।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मैंने उसकी गोरी-गोरी जाँघों पर हाथ फिराया और उसकी जाँघों पर चूमने लगा। मैं चूमते-चूमते उसकी नाभि तक आ गया और उसकी नाभि पर जीभ फिराने लगा।

वो इतनी मस्त हो गई कि उसने उठ कर मेरी शर्ट के बटन खोल दिए और मेरी बनियान भी उतार दी, फिर मेरे सीने पर चूमने लगी। कभी वो मेरे सीने पर.. कभी मेरे गाल पर.. कभी मेरे होंठों पर लगातार चूम रही थी।

वो मुझसे कह रही थी- जो करना है जल्दी करो.. अब मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

मैंने भी देर ना करते हुए अपनी पैन्ट उतार दी और अपना चड्डी भी उतार दी।

मेरा लंड तो पहले से ही उफान पर था.. बस उसको दिशा चाहिए थी।

मैंने उसके और अपने कपड़े एकट्ठे किए और उसकी चूतड़ों के नीचे लगा दिए।  
अब मैं उसकी दोनों टाँगों के बीच में आकर बैठ गया और उसके चूचों पर चूमने लगा।

मैंने अपने लंड पर बहुत सारा थूक लगाया.. फिर उसकी चूत पर अपना लंड सैट किया और हल्का सा दबाया.. लेकिन लंड फिसल गया।  
मैंने उससे कहा- ज़रा इसको सैट तो कर दो।

उसने अपने हाथ से मेरा लंड अपनी चूत के छेद पर सैट किया। मैंने एक जोरदार झटका मारा.. मेरा आधा लंड उसकी चूत में घुस चुका था। उसकी चूत से खून निकलने लगा था.. मगर उसकी चीख ने मुझे डरा दिया।

वो मुझसे अलग होने की नाकाम कोशिश करने लगी.. मगर मैंने उसे अपनी पकड़ से छूटने नहीं दिया। मैं उसके होंठों पर किस करने लगा और एक हाथ से चूचे दबाने लगा।

थोड़ी देर रुकने के बाद मुझे लगा कि अब वो नॉर्मल हो गई है... तभी मैंने दूसरा झटका मारा और मेरा पूरा का पूरा लंड उसकी चूत में घुस चुका था।  
वो ऐसे तड़फ़ रही थी.. जैसे बिन पानी के मछली तड़फती है।

मैं थोड़ी देर ऐसे ही रुका रहा।

कुछ मिनट के बाद वो नॉर्मल हुई.. फिर मैंने उसकी चूत में धीरे-धीरे लंड अन्दर-बाहर करना शुरू किया।

अब वो भी मेरा साथ दे रही थी और सीत्कार कर रही थी 'आहह.. आहह.. आहह..  
आअहह.. और तेज़.. और तेज़..'

धकापेल चुदाई के बाद वो झड़ गई थी लेकिन मैं अब भी उसे चोद रहा था।  
कुछ धक्कों के बाद वो फिर से चुदासी हो उठी.. अब मैं भी झड़ने को हो गया।

एक बार फिर हम दोनों एक साथ ही झड़ गए, मैंने अपना वीर्य उसकी चूत में ही छोड़ दिया... फिर हम कुछ देर ऐसे ही लेटे रहे..

एक-दूसरे की बाँहों में बाहें डालकर मैं फिर से शुरू हो गया, उसको पागलों की तरह चूमता रहा.. कभी होंठों पर कभी गाल पर.. तो कभी उसके गले पर.. फिर मैंने उससे पूछा- एक बार और हो जाए ?

उसने कुछ नहीं कहा और शरमाते हुए अपने हाथों से अपनी आँखों को छुपाने लगी और हल्की सी मुस्कान दे दी।

मैं उसका मुस्कराना समझ गया।

मैं अपनी बनियान से उसके योनि से बह रहे अपने वीर्य को पोंछने लगा और अच्छी तरह से साफ़ कर दिया।

अब तक मेरा लंड भी पूरी तरह से खड़ा हो चुका था।

मैं फिर से उसके ऊपर आ गया और अपने लंड को उसकी चूत पर सैट करके एक जोरदार झटका मारा। इस बार पहले ही शॉट में मेरा पूरा लंड चूत की जड़ तक घुस गया.. मगर उसकी हल्की सी चीख भी निकल गई.. शायद उसको अब भी दर्द हो रहा था।

कुछ देर बाद मैंने पूछा- ज्यादा दर्द हो रहा है ?

उसने कुछ नहीं कहा और हल्के से मुस्कान दे दी।

फिर एक लम्बी चुदाई के दौरान वो दो बार झड़ चुकी थी, अब मेरा भी होने वाला था।

कुछ मस्त धक्के और लगाने के बाद मैं भी झड़ गया और उसी के ऊपर ढेर हो गया।

वो मेरा माथा चूमते हुए बोली- आई लव यू..

मैंने भी कहा- आई लव यू टू..

फिर मैंने और उसने अपने कपड़े पहने.. जब हम चलने को हुए.. तो मैंने देखा कि उससे ठीक से चला भी नहीं जा रहा था। मैंने उसका हाथ अपने कंधे पर रखा और धीरे-धीरे झील से बाहर आ गए.. हम अपने घर की तरफ चल दिए।

रास्ते में हम एक ढाबे पर रुके और कुछ चाय-नाश्ता किया। आगे चल कर मैंने उसको दर्द की गोली और आईपिल खरीद कर दी और कहा- ये खा लेना और थोड़ा आराम कर लेना.. शाम तक ठीक हो जाओगी।

फिर हम अपने-अपने घर आ गए। उसके बाद हम जब भी मौका मिलता.. हम दोनों चुदाई करते थे।

यह सिलसिला 3 साल तक चला।

फिर उसके घरवालों ने उसकी मर्जी के खिलाफ दूसरी जगह शादी कर दी.. लेकिन मैंने अभी तक शादी नहीं की.. क्योंकि पहला प्यार भुलाए से भी नहीं भुलाया जाता।

आज भी उसकी आवाज़.. उसकी धड़कन उसका प्यार करना.. मैं महसूस करता हूँ।

दोस्तो.. कैसी लगी मेरी लव स्टोरी.. मुझे मेल करके जरूर बताएं.. मुझे आपके मेल का इंतज़ार रहेगा।

panditdeepak086@gmail.com

## Other stories you may be interested in

### कमसिन पड़ोसन की सील तोड़ चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम संजय गुप्ता है मेरी उम्र कोई 21 साल है. मेरे माता पिता सामान्य वर्ग से संबंध रखते हैं और हमारी फैमिली एक साधारण फैमिली है. मेरे माता पिता ने मुझे बहुत ही अच्छी शिक्षा दिलवाई. मैं बचपन [...]

[Full Story >>>](#)

### खुली छत पर गांड की चुदाई की गंदी कहानी

सभी लण्डधारियों को मेरे इन गुलाबी होंटों से चुम्बन! मैं बिंदु देवी फिर से आ गयी हूँ अपनी चुदाई की गाथा लेकर। मैं पटना में रहती हूँ। मेरी फिगर 34-32-36 है। आप लोगों ने पिछली कहानी पढ़ कर खूब मेल [...]

[Full Story >>>](#)

### चंडीगढ़ में देसी अनचुदी फुद्दी चोदी

दोस्तो, मैं गुरु आपके सामने हूँ. मेरा ये नाम मेरे दोस्तों ने रखा था. क्योंकि मैं उनकी हर परेशानी का हल निकाल देता था, उनके काम बना देता था. ये मेरी कहानी अन्तर्वासना पर पहली और सच्ची कहानी है. अगर [...]

[Full Story >>>](#)

### चचेरी बहन की सील तोड़ी

यहाँ क्लिक अन्तर्वासना ऐप डाउनलोड करके ऐप में दिए लिंक पर क्लिक करके ब्राउज़र में साईट खोलें. ऐप इंस्टाल कैसे करें दोस्तो, चुत वाली आंटियों, भाभियों, लड़कियों और लण्ड वालों को मेरा नमस्कार। मेरा नाम प्रीतम है (बदला हुआ) और [...]

[Full Story >>>](#)

### चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-11

दोस्तो, मैं आपका साथी जीशान ... इस कहानी का अंतिम भाग लेकर आपके सामने आ गया हूँ. इस चुदाई की कहानी में आपने ढेर सारी चुदाइयों का आनन्द लिया है ... अब अंतिम भाग में जबरदस्त चुदाई का मंजर आपके [...]

[Full Story >>>](#)



